एक नजर में

एमएलबी स्कूल की छात्राओं ने गाड़ा सफलता का झंडा

गुना। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित हाई स्कूल और हायर सेकंडरी परीक्षा परिणाम में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विद्यालय की 101 छात्राओं ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर शासन की लैपटॉप योजना के लिए अपनी पात्रता सुनिश्चित की है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस वर्ष भी बेहद सराहनीय रहा। हाई स्कूल का कुल परिणाम 85 प्रतिशत और हायर सेकेंडरी का परिणाम 88 प्रतिशत दर्ज किया गया। कक्षा 10वीं में छात्रा लक्ष्मी धाकड़ ने 500 में से 472 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। इसी तरह कक्षा 12वीं के कॉमर्स संकाय की छात्रा शिवांशी जाटव 500 में से 457 अंक के साथ विद्यालय की टॉपर रहीं। प्राचार्य मृदुला सक्सेना ने टॉपर छात्राओं का मुंह मीठा कराकर और माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। विद्यालय में हाई स्कूल की 201 छात्राएं प्रथम श्रेणी, 26 द्वितीय और 1 छात्रा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुई। जबकि हायर सेकेंडरी में 330 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी और 50 छात्राओं ने द्वितीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की। प्राचार्य मृदुला सक्सेना ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ और छात्राओं की मेहनत को दिया। उन्होंने बताया कि वर्ष भर एक विशेष कार्य योजना बनाकर अध्ययन कराया गया था। विशेष रूप से कमजोर छात्राओं के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित की गईं, जिसके सुखद परिणाम आज सबके सामने हैं। इस शानदार प्रदर्शन पर समस्त स्टाफ और अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सीईओ से लेकर कुलगुरु तक की गाड़ियों पर सजे हूटर

पुलिस मुख्यालय के आदेशों की सरेआम अवहेलना, छात्र संगठनों में आक्रोश

नवभारत न्यूज

गुना 16 अप्रैल का। जिला मुख्यालय सहित पूरे अंचल में इन दिनों रसूख और पद की नुमाइश करने के लिए नियमों को ताक पर रखने का चलन बढ़ गया है। ताजा मामला सरकारी वाहनों पर नियम विरुद्ध तरीके से लगाए गए हूटरों का है।

वहीं अभी कई नेताओं ने अपने वाहनों को हूटर के रसूख से सजा रखा है। इनमें विधायक से लेकर ब्लॉक अध्यक्ष तक शामिल हैं। वहीं जिले में पदस्थ कई प्रशासनिक अधिकारी और शिक्षण संस्थानों के प्रमुख अपने निजी और शासकीय वाहनों पर धड़ल्ले से हूटर का उपयोग कर रहे हैं, जो सीधे तौर पर पुलिस मुख्यालय के निर्देशों और मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन है। जिला प्रशासन को सख्ती के साथ एक मुहिम चलाने की आवश्यकता है।

कार्रवाई में 'पिक एंड चूज' की नीति: स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि पुलिस प्रशासन छोटे वाहन चालकों या आम जनता पर तो चालानी कार्यवाही में सख्ती दिखाता है, लेकिन जब बात रसूखदार प्रशासनिक अधिकारियों की आती है, तो कानून के हाथ ढीले पड़ जाते हैं। जिले में कई बार दिखावे के लिए अभियान चलाए गए, हूटर उतरवाए गए, लेकिन कुछ ही दिनों बाद ये फिर से गाड़ियों की छत पर नजर आने लगते हैं। अधिकारियों पर सख्त विभागीय या कानूनी कार्यवाही न होना उनके हौसले बुलंद कर रहा है।

सड़कों पर रसूख का प्रदर्शन, आमजन परेशान

सरेआम नियम तोड़े जाने से न केवल कानून का मजाक उड़ रहा है, बल्कि सड़क पर चलने वाले आम नागरिक भी भ्रमित होते हैं। हूटर की आवाज सुनकर लोग इसे आपातकालीन वाहन समझकर रास्ता देते हैं, जबकि अंदर बैठे अधिकारी केवल अपना दबदबा दिखाने के लिए प्रयोग करते हैं।

क्या कहते हैं पुलिस मुख्यालय के नियम?

पुलिस मुख्यालय और परिवहन विभाग के स्पष्ट निर्देश हैं कि नीली या लाल बत्ती और हूटर का उपयोग केवल चुनिंदा संवैधानिक पदों और आपातकालीन सेवाओं (जैसे एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और कानून व्यवस्था में लगी पुलिस गाड़ियाँ) के लिए ही सीमित है।

नियम के अनुसार: कोई भी प्रशासनिक अधिकारी (कलेक्टर, एसपी और कानून व्यवस्था में सीधे जुड़े अधिकारियों को छोड़कर) अपने वाहन पर हूटर नहीं लगा सकता।

सीईओ और प्रिंसिपल का दायरा: जनपद सीईओ या कॉलेज प्रिंसिपल का पद आपातकालीन सेवाओं की श्रेणी में नहीं आता है, इसलिए उनके द्वारा हूटर का उपयोग पूरी तरह 'अवैध' और दंडात्मक है।

कौन हैं नियम तोड़ने वाले माननीय?

हैरानी की बात यह है कि नियम का पालन कराने वाले जिम्मेदार ही इनका उल्लंघन कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, जिले में पदस्थ कई जनपद पंचायत सीईओ और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, जैसे क्रांतिवीर तात्याटोपे कॉलेज के कुलगुरु, की गाड़ियों पर अवैध रूप से हूटर लगे देखे जा सकते हैं। कुलगुरु की गाड़ी पर हूटर होने के मामले ने तो इतना तूल पकड़ा कि छात्र संगठनों ने इसके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया और कई बार आंदोलन भी किए। छात्रों का आरोप है कि शिक्षा के मंदिर का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति द्वारा ही नियमों की अवहेलना करना युवाओं के बीच गलत संदेश भेज रहा है।

ओवर ब्रिज के नीचे फूटी पाइपलाइन भारी मात्रा में पानी व्यर्थ बहा

गुना। शहर के बीजी रोड स्थित ओवर ब्रिज के नीचे गुरुवार सुबह अचानक पानी की मुख्य पाइपलाइन फूट गई। पाइपलाइन फटने से पानी इतनी ऊंचाई तक उछला कि राहगीरों ने इसे 'पानी का फव्वारा' समझ लिया। देखते ही देखते काफी देर तक हजारों लीटर साफ पानी सड़कों पर बहकर व्यर्थ हो गया। इस घटना का वीडियो स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर जमकर शेयर किया। कुछ लोगों ने व्यंग्य करते हुए इसे नगर पालिका का 'नया फव्वारा' करार दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पाइपलाइन में दबाव अधिक होने के कारण पानी काफी तेजी से बाहर निकल रहा था। जब तक जलापूर्ति की सप्लाई चालू रही, तब तक पानी की बबार्दी जारी रही और सड़क पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई। शहर में एक ओर जहाँ गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत बढ़ती जा रही है, वहीं पाइपलाइन फूटने से हुई इस बबार्दी को लेकर नागरिकों ने प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई है।

लोगों का कहना है कि रखरखाव के अभाव में आए दिन इस तरह के लीकेज सामने आते हैं, जिससे जनता को मिलने वाला पानी सड़कों पर बह जाता है। सूचना के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि नगर पालिका की तकनीकी टीम जल्द ही पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य शुरू करेगी।

41 .7 डिग्री के साथ सीजन का सबसे गर्म दिन रहा गुरुवार, लू के थपेड़ों से जनजीवन बेहाल

गुना। जिले में गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। गुरुवार, 16 अप्रैल को गुना में इस सीजन का सबसे अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, जिससे पूरा शहर भट्टी की तरह तप उठा। सूरज की तपिश और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और लोग भीषण गर्मी से हलाकान नजर आए।

मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को अधिकतम तापमान 41.7 डिग्री तक जा पहुँचा, जो इस सीजन का अब तक का सर्वाधिक स्तर है। वहीं, न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री दर्ज किया गया। हवा में नमी की कमी के कारण गर्मी और अधिक चुभने वाली महसूस हुई। सुबह के समय आर्द्रता 32 प्रतिशत रही, जो शाम होते-होते घटकर महज 19 प्रतिशत रह गई, जिससे शुष्क गर्मी का प्रभाव बढ़ गया। सुबह 5:57 बजे सूर्योदय के साथ ही धूप की तपिश महसूस होने लगी थी और दिन चढ़ते-चढ़ते लू के थपेड़ों ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया। शाम 18:44 बजे सूर्यास्त के बाद भी वातावरण में गर्माहट बनी रही। गर्मी से बचने के लिए लोग ठंडे पेय पदार्थों और सूती कपड़ों का सहारा ले रहे हैं। चिकित्सकों ने सलाह दी है कि बढ़ते तापमान को देखते हुए दोपहर के समय अनावश्यक बाहर न निकलें और शरीर में पानी की कमी न होने दें। आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोत्तरी होने की संभावना जताई जा रही है, जिससे गर्मी का प्रकोप और अधिक बढ़ सकता है।

नपा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित

नवभारत न्यूज

गुना। नगर पालिका परिषद गुना द्वारा गुरुवार को संसद द्वारा पारित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' के समर्थन में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित किया गया। परिषद की इस विशेष बैठक में महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए केंद्र सरकार के कदमों की सराहना की गई और इस अधिनियम को देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक युगांतरकारी कदम बताया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम को त्वरित गति से लागू करने के लिए विशेष संसदीय सत्र बुलाना एक साहसिक निर्णय है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि दशकों से लंबित 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को अनिश्चितकाल तक टालने के बजाय 2029 के आम चुनाव से पहले ही सुनिश्चित करने का प्रयास महिलाओं को केवल मतदाता की भूमिका से निकालकर सीधे राष्ट्र निमार्ता बनाएगा। यह महायज्ञ दलगत राजनीति से ऊपर है और इस पवित्र कार्य का समर्थन करना सभी का राष्ट्रीय कर्तव्य है।

विकसित भारत के लिए नारी शक्ति का योगदान अनिवार्य

बैठक में विचार व्यक्त किया गया कि विकसित भारत 2047 का संकल्प नारी शक्ति के सक्रिय और समान योगदान के बिना अधूरा है। प्रधानमंत्री के इस दूरदर्शी प्रयास से आने वाली पीढ़ियों को एक सशक्त, सुरक्षित और प्रगतिशील भारत सौंपा जा सकेगा। अध्यक्ष द्वारा रखे गए इस प्रस्ताव का सदन में उपस्थित सभी पार्षदों ने एकजुट होकर समर्थन किया। इसके पश्चात प्रस्ताव को पारित कर आगामी कार्रवाई हेतु शासन की ओर अग्रेषित किया गया।

इन जनप्रतिनिधियों की रही उपस्थिति

बैठक में मुख्य रूप से पार्षद कैलाश धाकड़, विनोद लोधा, महेश कुशवाह, ओम प्रकाश कुशवाह, राजू ओझा, बबीता साहू, रश्मि शर्मा, अनिता कुशवाह, कीर्ति सरवैया, फूलबाई ओझा, सुशीला कुशवाह, संध्या सोनी, राजकुमारी जाटव, कृष्णा मौर्य, नीता कुशवाह, तरन्नुम खान, विमला साहू, सुनीता शर्मा और राधा कुशवाह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जनगणना 2027 : कलेक्टर किशोर कुमार ने खुद किया ऑनलाइन पंजीकरण

गुना। आगामी जनगणना 2027 की आधिकारिक प्रक्रिया की दिशा में गुरुवार को जिले में एक महत्वपूर्ण शुरूआत हुई। पहले दिन कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और अपर कलेक्टर अखिलेश जैन ने अपने निवास पर स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रारंभिक पंजीकरण कर एक सकारात्मक पहल की। कलेक्टर ने स्वयं डिजिटल माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर जिले के नागरिकों को इस आधुनिक प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि जनगणना राष्ट्र के विकास का आधार है, इसलिए सभी नागरिक स्व-गणना का फॉर्म स्वयं भरें। उन्होंने बताया कि जब जनगणना दल घर पहुंचे, तब उन्हें आवश्यक जानकारियां और पंजीकरण के बाद प्राप्त आईडी अवश्य उपलब्ध कराएं, ताकि यह राष्ट्रीय कार्य सुगम और सटीक रूप से पूर्ण हो सके। मध्य प्रदेश में स्व-गणना की यह सुविधा 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक उपलब्ध रहेगी।

क्या है स्व-गणना और कैसे करें पंजीकरण?

स्व-गणना एक ऐसी डिजिटल सुविधा है जिसके माध्यम से नागरिक अपने परिवार और मकान से संबंधित जानकारी प्रगणक के घर आने से पहले ही ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए नागरिकों को आधिकारिक पोर्टल ँ33स्र2://2ी.ील्ल242.ॅङ्म5.ल्ल

/ पर जाकर अपने मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से लॉग-इन कर पोर्टल पर राज्य, जिला और पते का चयन करने के बाद मकान की स्थिति, बिजली, पानी, शौचालय जैसी सुविधाओं से जुड़े लगभग 33 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। पूरी प्रक्रिया में मात्र 15 से 20 मिनट का समय लगता है। फॉर्म सफलतापूर्वक जमा करने के बाद एक विशिष्ट 'रए कऊ' प्राप्त होगी। जब जनगणना कर्मचारी सत्यापन के लिए घर आएंगे, तो नागरिकों को केवल यह आईडी दिखानी होगी, जिससे उनका समय बचेगा। कलेक्टर ने जोर देकर कहा कि अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का उपयोग करें ताकि जनगणना कार्य तेज, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से संपन्न हो सके।

रुठियाई चौकी के पास भीषण हादसा

गुना। नेशनल हाईवे पर रुठियाई चौकी के समीप बीती रात करीब 3 बजे एक तेज रफ्तार कार ने सड़क पर काम कर रहे दो ट्रक हेल्परों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार की टक्कर से दोनों हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कार चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा। जानकारी सामने आई है कि गेहूं से भरे एक ट्रक की क्लच प्लेट फेल होने के कारण वह रुठियाई के पास सड़क पर खड़ा हो गया था। रात के अंधेरे में सुरक्षा की दृष्टि से और अन्य वाहनों को चेतावनी देने के लिए ट्रक के हेल्पर सड़क पर पत्थर रख रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही एक अनियंत्रित तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। घायलों की पहचान मनीष पाल निवासी करैरा और अल्ताफ के रूप में हुई है। घटना में एक हेल्पर का पैर बुरी तरह फैक्चर हो गया है।

स्वामी परमार्थ देव ने सिखाए व्याधिमुक्त जीवन के गुर

गुना। हरिद्वार पतंजलि योगपीठ के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव जी के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को संजय स्टेडियम स्थित महाराणा प्रताप पार्क में त्रिदिवसीय इंटीग्रेटेड योग शिविर का गरिमामय शुभारंभ हुआ। मंत्रोच्चार, विधिवत पूजन और हवन के साथ शुरू हुए इस शिविर के पहले ही दिन सैकड़ों नगरवासियों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया। शिविर के पहले दिन स्वामी परमार्थ देव जी ने साधकों को विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा, ब्लड प्रेशर, गठिया और डिप्रेशन जैसी आधुनिक जीवनशैली की बीमारियों को योग के माध्यम से नियंत्रित करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि तनावमुक्त और व्याधिमुक्त जीवन जीने की एक कला है, जिससे व्यक्ति का

शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास होता है। शिविर के मीडिया प्रभारी विकास जैन 'नखराली' ने बताया कि पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मार्गदर्शन और भारत स्वाभिमान पतंजलि योग समिति के तत्वाधान में आयोजित यह शिविर 16 से 18 अप्रैल तक चलेगा। पहले दिन भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति और युवाओं ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में भारत स्वाभिमान न्यास के राज्य प्रभारी राजेंद्र आर्य, पतंजलि के राज्य प्रभारी कृष्ण योगेंद्र रघुवंशी, महिला पतंजलि की राज्य प्रभारी सुधा त्रिवेदी और कार्यक्रम संयोजक हरिसिंह यादव सहित पतंजलि परिवार के सदस्य मौजूद रहे। समिति ने जिले के नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सुबह 5:30 बजे महाराणा प्रताप पार्क पहुंचकर इस निःशुल्क शिविर का लाभ उठाएं और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।

मांसाहार से शरीर को 'मुर्दाघर' न बनाएं, आध्यात्मिक मार्ग ही बचाएगा

गुना। जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था के प्रमुख और परम संत बाबा उमाकांत महाराज ने गुना में आयोजित एक विशाल सत्संग के दौरान मानवता को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि मानव शरीर ईश्वर की अनमोल देन है, जिसे शुद्ध और पवित्र रखना हर इंसान की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अंडा, मांस और मछली जैसे तामसिक पदार्थों का त्याग करें और अपने शरीर को 'मुर्दाघर' बनने से बचाएं। बाबा जी ने वर्तमान समय में बढ़ती बीमारियों का सीधा संबंध मांसाहार से जोड़ा। उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि जैसे-जैसे समाज में मांस और मदिरा का सेवन बढ़ा है, वैसे-वैसे असाध्य बीमारियां भी पैर पसार रही हैं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, 'यदि मांसाहार बंद नहीं हुआ, तो आने वाला समय इतना भयावह हो सकता है कि लोग रात को सोएंगे और सवेरा नहीं देख पाएंगे ।समय को बेहद चुनौतीपूर्ण और विनाशकारी बताया। सत्संग के दौरान बाबा उमाकांत महाराज ने पश्चिमी देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां मांस, शराब और भोग-विलास की प्रवृत्तियों के कारण सामाजिक और व्यक्तिगत स्थिति बिगड़ रही है। उन्होंने 'शराब, कबाब और शबाब' को सर्वनाश का मूल कारण बताते हुए युवाओं और आम जनमानस को इनसे दूर रहने की सलाह दी।

बैठक — फिटनेस और व्यक्तित्व विकास के साथ टैलेंट सर्च पर रहेगा जोर

गुना में 20 अप्रैल से सजेगा ग्रीष्मकालीन खेल शिविर

नवभारत न्यूज

गुना 16 अप्रैल का। जिले के विद्यार्थियों और युवाओं को खेल प्रशिक्षण के साथ-साथ फिटनेस और व्यक्तित्व विकास का मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 20 अप्रैल से 19 मई 2026 तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें पुलिस अधीक्षक हितिका वासल और जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने बैठक में बताया कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य केवल खेल सिखाना ही नहीं, बल्कि शारीरिक एवं मानसिक

स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना, नेतृत्व क्षमता विकसित करना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उनकी प्रोफाइलिंग करना है। इस वर्ष शिविरों में नशा मुक्ति, साइबर सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर भी युवाओं को शिक्षित किया जाएगा। साथ ही, महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे।

ऐसे होगा पंजीयन

शिविर में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों को मेरा युवा एमपी पोर्टल के माध्यम से 30 अप्रैल 2026 तक पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। ये शिविर प्रतिदिन दो सत्रों में संचालित होंगे, जिसमें सुबह 6:00 से 8:00 बजे तक और शाम को 5:00 से 7:30 बजे तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला मुख्यालय पर बास्केटबॉल, हॉकी, जूडो और फुटबॉल का प्रशिक्षण मिलेगा, जबकि विकासखंड स्तर पर कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स जैसे न्यूनतम दो खेलों का आयोजन किया जाएगा।

साप्ताहिक प्रतियोगिताएं और टैलेंट सर्च

खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इन शिविरों में साप्ताहिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होगा। इनके माध्यम से जिले की उत्कृष्ट खेल प्रतिभाओं को खोजा जाएगा। कलेक्टर कन्याल ने निर्देश दिए कि जिले में खेलों का एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाए ताकि युवा न केवल खेलों से जुड़ें, बल्कि नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर पढ़ाई और जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने स्वास्थ्य और नगरीय प्रशासन विभाग को शिविर स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

दिव्यांगजनों के रोजगार के लिए ठोस कार्ययोजना बनाएं

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में हुई इस मासिक समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि पात्र हितग्राहियों और श्रमिकों को शासन की योजनाओं का लाभ समय सीमा में मिलना सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया। अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके रोजगार और कौशल विकास हेतु एक प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि समाज के इस वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है।

हवाई सफर से नागालैंड की संस्कृति जानेंगे गुना के छात्र

गुना। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुना के विद्यार्थियों के लिए एक शानदार अवसर सामने आया है। विद्यालय के दो छात्र, नमन साहू और काम्या साहू, आगामी 20 से 24 अप्रैल तक पूर्वोत्तर राज्य नागालैंड के शैक्षणिक भ्रमण पर जाएंगे। इस यात्रा की सबसे खास बात यह है कि छात्र हवाई जहाज द्वारा दीमापुर और कोहिमा तक का सफर तय करेंगे। विद्यालय के प्राचार्य आशीष टांटिया ने बताया कि सांदीपनि विद्यालय गुना जिले का एकमात्र ऐसा विद्यालय है, जिसके विद्यार्थियों का चयन इस महत्वपूर्ण भ्रमण के लिए हुआ है। नागालैंड यात्रा के दौरान छात्र वहां की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक भाषा, खान-पान और वहां के रहन-सहन की विविध जानकारियां प्राप्त करेंगे। इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोयल ने छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की बधाई और शुभकामनाएं दीं।